IUJ in Press

TheResearchers'
RANCHI I 10 August 2024 2

ICFAI University Jharkhand Hosts Orientation Program 2024

RNS I Bokaro: ICFAI University Jharkhand welcomed its new batch of students with a two-day Orientation Program on August 8-9, 2024. The program aimed to familiarize students with university life and set the stage for their academic journey.

The event began with a motivational address from Registrar Prof. (Dr.) J.B. Patnaik, who encouraged students to embrace values and right behavior. Vice Chancellor Prof. (Dr.) Raman Kumar Jha welcomed attendees and stressed the importance of discipline and hard work, highlighting the roles of "Shastra" (scriptures), "Tantra" (skills), "Shiksha" (education), and "Kala" (art).

Chief Guest Professor (Dr.) S.P. Singh, former Vice Chancellor of Veer Kunwar Singh University, discussed green technology and sustainable development, while Mohammad Masoom Haider from CIPET spoke about collaborative project opportunities.

पूर्वांचल सूर्य
रांची ➢ शनिवार ➢ 10 अगस्त 2024

इक्फाई विश्वविद्यालय में नए बैच के छात्रों के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम आयोजित

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

रांची। इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड ने 8 और 9 अगस्त 2024 को दो दिवसीय ओरिएंटेशन प्रोग्राम का आयोजन किया। ओरिएंटेशन प्रोग्राम छात्रों को एक नए छात्र के रूप में विश्वविद्यालय में शामिल होने के साथ ही परिचित कराने की एक पहल है। ओरिएंटेशन की शुरुआत रजिस्ट्रार प्रो.(डॉ.) जेबी पटनायक के आध्यात्मिक और प्रेरक संबोधन से हुई। उन्होंने छात्रों को सही व्यवहार और मूल्यों के साथ जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। कुलपति प्रो. (डॉ.) रमन कुमार झा ने अतिथियों, अभिभावकों, छात्रों का स्वागत किया और छात्रों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। उन्होंने छात्रों को एक सफल इंसान बनने के लिए कड़ी मेहनत करने और जीवन में अनुशासन बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने शास्त्र, तंत्र, शिक्षा और कला पर ध्यान केंद्रित किया एवं कहा कि शास्त्र या शास्त्र उपलब्ध है, तंत्र या कौशल सीखना पड़ता है, शिक्षा या शिक्षा देनी होती है जबकि कला या कला एक अंतर्निहित कौशल है जिसे पहचानना होता है। इस अवसर पर, मुख्य अतिथि प्रो. (डॉ.) एसपी सिंह, पूर्व कुलपति, वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा ने छात्रों को संबोधित करते हुए हरित प्रौद्योगिकी और सतत विकास के महत्व को समझाया। उन्होंने छात्रों को प्रेरित किया और शिक्षा का अर्थ और महत्व को समझाया। सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के मोहम्मद मासूम हैदर ने छात्रों को संबोधित करते हुए उन सहयोगी परियोजनाओं के बारे में बताया, जिन्हें छात्र सिपेट के साथ कर सकते हैं। कार्यक्रम का समापन डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ.एस चौधरी के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ। ओरिएंटेशन कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को अपने सेमेस्टर को पूरे आत्मविश्वास के साथ शुरू करने में मदद करना था। ओरिएंटेशन कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को पूरे आत्मविश्वास के साथ अपना सेमेस्टर शुरू करने में मदद करना था। नए बैच के छात्रों का स्वागत किया गया और उन्हें विश्वविद्यालय में सफल समिलित होने के लिए आवश्यक सभी जानकारी प्रदान की गई, जिसमें उनके पाठ्यक्रम, शिक्षकों और कक्षाओं के बारे में जानकारी, विश्वविद्यालय अध्ययन की मूल बातें, जिसमें आलोचनात्मक सोच और शोध कौशल शामिल हैं, परिसर में छात्र सेवाएं और सहायता कैसे और कहां प्राप्त करें, कैरियर नियोजन, उद्योग के अवसरों और विश्वविद्यालय में समय का अधिकतम लाभ उठाने के अन्य तरीकों के बारे में जानकारी शामिल है।

सन्मार्ग

इक्फाई विश्वविद्यालय में नए बैच के छात्रों के स्वागत के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम का आयोजन

रांची : इक्फाई विश्वविद्यालय झारखंड ने 8 और 9 अगस्त को 2 दिवसीय ओरिएंटेशन प्रोग्राम का आयोजन किया। ओरिएंटेशन प्रोग्राम छात्रों को एक नए छात्र के रूप में विश्वविद्यालय में शामिल होने के साथ ही परिचित कराने की एक पहल है। ओरिएंटेशन की शुरुआत रजिस्ट्रार प्रो. (डा.) जेबी पटनायक के आध्यात्मिक और प्रेरक संबोधन से हुई। उन्होंने छात्रों को सही व्यवहार और मूल्यों के साथ जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। कुलपति प्रो. (डा.) रमन कुमार झा ने अतिथियों, अभिभावकों, छात्रों का स्वागत किया और छात्रों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने छात्रों को एक सफल इंसान बनने के लिए कड़ी मेहनत करने और जीवन में अनुशासन बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर, मुख्य अतिथि प्रो. (डा.) एसपी सिंह, पूर्व कुलपति वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा ने छात्रों को संबोधित करते हुए हरित प्रौद्योगिकी और सतत विकास के महत्व को समझाया। उन्होंने छात्रों को प्रेरित किया और शिक्षा का अर्थ और महत्व को समझाया। सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के मोहम्मद मासूम हैदर ने छात्रों को संबोधित करते हुए उन सहयोगी परियोजनाओं के बारे में बताया। कार्यक्रम का समापन डीन स्टूडेंट वेलफेयर डा. एस चौधरी के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ।

इक्फाई विश्वविद्यालय झारखंड में नए बैच के छात्रों के स्वागत के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम 2024 का आयोजन

प्रातः आवाज

रांची: इक्फाई विश्वविद्यालय झारखंड ने 8 और 9 अगस्त 2024 को 2 दिवसीय ओरिएंटेशन प्रोग्राम का आयोजन किया। ओरिएंटेशन प्रोग्राम छात्रों को एक नए छात्र के रूप में विश्वविद्यालय में शामिल होने के साथ ही परिचित कराने की एक पहल है। ओरिएंटेशन की शुरूआत रजिस्ट्रार- प्रो. (डॉ.) जे.बी. पटनायक के आध्यात्मिक और प्रेरक संबोधन से हुई। उन्होंने छात्रों को सही व्यवहार और मूल्यों के साथ जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। कुलपति प्रो. (डॉ.) रमन कुमार झा ने अतिथियों, अभिभावकों, छात्रों का स्वागत किया और छात्रों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने छात्रों को एक सफल इंसान बनने के लिए कड़ी मेहनत करने और जीवन में अनुशासन बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने शास्त्र, तंत्र, शिक्षा और कला पर ध्यान केंद्रित किया एवम? कहा की, शास्त्र या शास्त्र उपलब्ध है, तंत्र या कौशल सीखना पड़ता है, शिक्षा या शिक्षा देनी होती है जबकि कला या कला एक अंतर्निहित कौशल है जिसे पहचानना होता है। इस अवसर पर, मुख्य अतिथि प्रो. (डॉ.) एस.पी. सिंह, पूर्व कुलपति- वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा ने छात्रों को संबोधित करते हुए हरित प्रौद्योगिकी और सतत विकास के महत्व को समझाया। उन्होंने छात्रों को प्रेरित किया और शिक्षा का अर्थ और महत्व को समझाया। सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के मोहम्मद मासूम हैदर ने छात्रों को संबोधित करते हुए, उन सहयोगी परियोजनाओं के बारे में बताया, जिन्हें छात्र उक्हएळ के साथ कर सकते हैं। कार्यक्रम का समापन डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. एस. चौधरी के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ। ओरिएंटेशन कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को अपने सेमेस्टर को पूरे आत्मविश्वास के साथ शुरू करने में मदद करना था। ओरिएंटेशन कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को पूरे आत्मविश्वास के साथ अपना सेमेस्टर शुरू करने में मदद करना था। नए बैच के छात्रों का स्वागत किया गया और उन्हें विश्वविद्यालय में सफल सम्मिलित होने के लिए आवश्यक सभी जानकारी प्रदान की गई, जिसमें उनके पाठ्यक्रम, शिक्षकों और कक्षाओं के बारे में जानकारी, विश्वविद्यालय अध्ययन की मूल बातें, जिसमें आलोचनात्मक सोच और शोध कौशल शामिल हैं, परिसर में छात्र सेवाएं और सहायता कैसे और कहाँ प्राप्त करें, कैरियर नियोजन, उद्योग के अवसरों और विश्वविद्यालय में समय का अधिकतम लाभ उठाने के अन्य तरीकों के बारे में जानकारी शामिल है।

एक संदेश

10 अगस्त 2024, शनिवार, रांची

इक्फाई विश्वविद्यालय में ओरिएंटेशन प्रोग्राम आयोजित

रांची : इक्फाई विश्वविद्यालय झारखंड ने 8 और 9 अगस्त को 2 दिवसीय ओरिएंटेशन प्रोग्राम का आयोजन किया। ओरिएंटेशन प्रोग्राम छात्रों को एक नए छात्र के रूप में विश्वविद्यालय में शामिल होने के साथ ही परिचित कराने की एक पहल थी। ओरिएंटेशन की शुरूआत रजिस्ट्रार- प्रो. (डॉ.) जे.बी. पटनायक के आध्यात्मिक और प्रेरक संबोधन से हुई। उन्होंने छात्रों को सही व्यवहार और मूल्यों के साथ जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। कुलपति प्रो. (डॉ.) रमन कुमार झा ने अतिथियों, अभिभावकों, छात्रों का स्वागत किया और छात्रों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने छात्रों को एक सफल इंसान बनने के लिए कड़ी मेहनत करने और जीवन में अनुशासन बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने शास्त्र, तंत्र, शिक्षा और कला पर ध्यान केंद्रित किया एवं कहा कि शास्त्र या शास्त्र उपलब्ध है, तंत्र या कौशल सीखना पड़ता है, शिक्षा या शिक्षा देनी होती है जबकि कला या कला एक अंतर्निहित कौशल है जिसे पहचानना होता है। इस अवसर पर, मुख्य अतिथि प्रो. (डॉ.) एस.पी. सिंह, पूर्व कुलपति- वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा ने छात्रों को संबोधित करते हुए हरित प्रौद्योगिकी और सतत विकास के महत्व को समझाया। कार्यक्रम का समापन डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. एस. चौधरी के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ।

दैनिक भास्कर

रांची 10-08-2024

इक्फाई विवि में नए बैच के छात्रों के स्वागत में ओरिएंटेशन प्रोग्राम

रांची | इक्फाई विश्वविद्यालय झारखंड में नए बैच के छात्रों के स्वागत के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम हुआ। शुरुआत रजिस्ट्रार- प्रो. डॉ. जेबी पटनायक के आध्यात्मिक और प्रेरक संबोधन से हुई। कुलपति प्रो. डॉ. रमन कुमार झा ने छात्रों को सफल इंसान बनने के लिए कड़ी मेहनत करने और जीवन में अनुशासन बनाए रखने को कहा।

इक्फाइ विश्वविद्यालय में नये बैच के छात्रों का वेलकम

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। इक्फाइ विश्वविद्यालय झारखंड ने ओरियेंटेशन प्रोग्राम का आयोजन किया। इसकी शुरुआत रजिस्ट्रार प्रो जेबी पटनायक के आध्यात्मिक और प्रेरक संबोधन से हुई। उन्होंने छात्रों को सही व्यवहार और मूल्यों के साथ जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। कुलपति प्रो रमन कुमार झा ने छात्रों को सफल इंसान बनने के लिए कड़ी मेहनत करने और जीवन में अनुशासन बनाये रखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने शास्त्र, तंत्र, शिक्षा और कला पर ध्यान केंद्रित किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रो एसपी सिंह ने छात्रों को प्रेरित किया और शिक्षा का अर्थ को समझाया। सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के मोहम्मद मासूम हैदर ने परियोजनाओं के बारे में बताया। कार्यक्रम का समापन डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ एस चौधरी के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ।

रांची एक्सप्रेस
https://epaper.ranchiexpress.com

इक्फाई विश्वविद्यालय में कार्य में प्रेम और स्वतंत्रता पर कार्यशाला का शुभारंभ

रांची : सद्भाव के माध्यम से उत्कृष्टता को सशक्त बनानाः कार्य में प्रेम और स्वतंत्रता पर कार्यशाला का उद्घाटन इक्फाई विश्वविद्यालय झारखंड में किया गया, जिसमें प्रतिभागियों को मानव के रूप में सद्भाव बनाने और बनाए रखने के लिए आवश्यक कौशल और अंतर्दृष्टि से परिपूर्ण किया गया।

कुलपति प्रो. (डॉ.) रमन कुमार झा ने कहा कि इस कार्यशाला का उद्देश्य व्यक्तियों को सकारात्मक और सामंजस्यपूर्ण संबंधों को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक उपकरण और रणनीतियाँ प्रदान करना है। डीन (छात्र कल्याण) डॉ.एस चौधरी ने बताया कि यह कार्यशाला एनईपी 2020 के पांच मार्गदर्शक स्तंभों- पहुंच, समानता, गुणवत्ता, सामर्थ्य और जवाबदेही को ध्यान में रखते हुए डिजाइन की गई है। अतिथि वक्ता संजय कुमार सिंह, लीड कंसल्टेंट और डायमेंशन एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली के संस्थापक निदेशक ने कहा कि गहन बातचीत में शामिल होकर - ऐसी बातचीत जो सीमाओं को आगे बढ़ाती है, जिज्ञासा जगाती है और समझ को बढ़ावा देती है - हम अधिक प्रभावशीलता के लिए अपनी जन्मजात क्षमता का लाभ उठा सकते हैं। ये बातचीत न केवल हमारे भीतर बल्कि हमारे रिश्तों, कार्यस्थलों और समुदायों में भी परिवर्तनकारी परिवर्तन को खोलने की कुंजी रखती है। मानव होना जो है वह किसी भी तरह से आविष्कार के लिए खुला है। कार्यशाला के लिए डायमेंशन एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली के विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया है।

प्रतिभागियों में देश भर के शिक्षाविद् शामिल थे। रजिस्ट्रार प्रो. (डॉ.) जेबी पटनायक और डीन (अकादमिक) प्रो. अरविंद कुमार ने कहा कि ऐसी कार्यशालाएं समय की मांग हैं और उन्होंने कार्यशाला के अतिथियों, वक्ताओं और प्रतिभागियों को अपनी शुभकामनाएं दीं।

राष्ट्रीय सागर
विविध
रांची
रविवार, 5 मई 2024
12
web: rashtriyasagar.com

इक्फाई विवि झारखंड में कार्यशाला का हुआ शुभारंभ

राष्ट्रीय सागर संवाददाता

रांची : सद्भाव के माध्यम से उत्कृष्टता को सशक्त बनानाः कार्य में प्रेम और स्वतंत्रता पर कार्यशाला का उद्घाटन इक्फाई विश्वविद्यालय झारखंड में किया गया, जिसमें प्रतिभागियों को मानव के रूप में सद्भाव बनाने और बनाए रखने के लिए आवश्यक कौशल और अंतर्दृष्टि से परिपूर्ण किया गया। कुलपति प्रो. (डॉ.) रमन कुमार झा ने कहा कि इस कार्यशाला का उद्देश्य व्यक्तियों को सकारात्मक और सामंजस्यपूर्ण संबंधों को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक उपकरण और रणनीतियां प्रदान करना है। डीन (छात्र कल्याण) डॉ.एस चौधरी ने बताया कि यह कार्यशाला एनईपी 2020 के पांच मार्गदर्शक स्तंभों- पहुंच, समानता, गुणवत्ता, सामर्थ्य और जवाबदेही को ध्यान में रखते हुए डिजाइन की गई है। अतिथि वक्ता संजय कुमार सिंह, लीड कंसल्टेंट और डायमेंशन एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली के संस्थापक निदेशक ने कहा कि गहन बातचीत में शामिल होकर - ऐसी बातचीत जो सीमाओं को आगे बढ़ाती है, जिज्ञासा जगाती है और समझ को बढ़ावा देती है - हम अधिक प्रभावशीलता के लिए अपनी जन्मजात क्षमता का लाभ उठा सकते हैं। ये बातचीत न केवल हमारे भीतर बल्कि हमारे रिश्तों, कार्यस्थलों और समुदायों में भी परिवर्तनकारी परिवर्तन को खोलने की कुंजी रखती है। मानव होना जो है वह किसी भी तरह से आविष्कार के लिए खुला है। कार्यशाला के लिए डायमेंशन एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली के विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया है। प्रतिभागियों में देश भर के शिक्षाविद् शामिल थे। रजिस्ट्रार प्रो. (डॉ.) जेबी पटनायक और डीन (अकादमिक) प्रो. अरविंद कुमार ने कहा कि ऐसी कार्यशालाएं समय की मांग हैं और उन्होंने कार्यशाला के अतिथियों, वक्ताओं और प्रतिभागियों को अपनी शुभकामनाएं दीं।

इक्फाइ विवि में कार्यशाला का आयोजन

रांची. इक्फाइ विवि, झारखंड में शनिवार को कार्यशाला का आयोजन किया गया. इसका विषय सद्भाव के माध्यम से उत्कृष्टता को सशक्त बनाना : कार्य में प्रेम और स्वतंत्रता था. मौके पर कुलपति डॉ रमन कुमार झा ने कहा कि कार्यशाला का उद्देश्य व्यक्तियों को सकारात्मक और सामंजस्यपूर्ण संबंधों को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक उपकरण और रणनीतियां प्रदान करना है. डीएसडब्ल्यू डॉ एस चौधरी ने बताया कि यह कार्यशाला एनइपी- 2020 के पांच मार्गदर्शक स्तंभ- पहुंच, समानता, गुणवत्ता, सामर्थ्य और जवाबदेही को ध्यान में रखते हुए डिजाइन की गयी है. इस अवसर पर डायमेंशन एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नयी दिल्ली के संस्थापक निदेशक संजय कुमार सिंह ने भी विचार व्यक्त किये. रजिस्ट्रार डॉ जेबी पटनायक और एकेडमिक डीन प्रो अरविंद कुमार ने कहा कि ऐसी कार्यशालाएं समय की मांग हैं.

प्रभात खबर
Sunday, May 5, 2024
Ranchi-City
https://epaper.prabhatkhabar.com/clip/66368cc8293365e0fd6176e9

इक्फाई विवि में कार्यशाला का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। 'सद्भाव के माध्यम से उत्कृष्टता को सशक्त बनाना : कार्य में प्रेम और स्वतंत्रता' पर कार्यशाला का उद्घाटन इक्फाई विश्वविद्यालय झारखंड में किया गया। इसमें प्रतिभागियों को मानव के रूप में सद्भाव बनाने और बनाये रखने के लिए आवश्यक कौशल और अंतर्दृष्टि से परिपूर्ण किया गया।

कुलपति प्रो. (डॉ) रमन कुमार झा ने कहा कि इस कार्यशाला का उद्देश्य व्यक्तियों को सकारात्मक और सामंजस्यपूर्ण संबंधों को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक उपकरण और रणनीतियाँ प्रदान करना है। डीन (छात्र कल्याण) डॉ एस चौधरी ने बताया कि यह कार्यशाला एनईपी 2020 के पांच मार्गदर्शक स्तंभों- पहुंच, समानता, गुणवत्ता, सामर्थ्य और जवाबदेही को ध्यान में रखते हुए डिजाइन की गई है। अतिथि वक्ता श्री संजय कुमार सिंह, लीड कंसल्टेंट और डायमेंशन एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली के संस्थापक निदेशक ने कहा कि गहन बातचीत में शामिल होकर - ऐसी बातचीत जो सीमाओं को आगे बढ़ाती है, जिज्ञासा जगाती है और समझ को बढ़ावा देती है - हम अधिक प्रभावशीलता के लिए अपनी जन्मजात क्षमता का लाभ उठा सकते हैं। प्रतिभागियों में देश भर के शिक्षाविद् शामिल थे। रजिस्ट्रार प्रो (डॉ) जेबी पटनायक और डीन (अकादमिक) प्रो अरविंद कुमार ने कहा कि ऐसी कार्यशालाएं समय की मांग हैं और उन्होंने कार्यशाला के अतिथियों, वक्ताओं और प्रतिभागियों को अपनी शुभकामनाएं दीं।

एक संदेश

05 मई 2024, रविवार, रांची

इक्फाई विश्वविद्यालय में कार्य में प्रेम और स्वतंत्रता विषय पर कार्यशाला आयोजित

संवाददाता

रांची : सद्भाव के माध्यम से उत्कृष्टता को सशक्त बनाना और कार्य में प्रेम और स्वतंत्रता विषयक एक कार्यशाला का आयोजन शनिवार को इक्फाई विश्वविद्यालय झारखंड में किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) रमन कुमार झा ने कहा कि इस कार्यशाला का उद्देश्य व्यक्तियों को सकारात्मक और सामंजस्यपूर्ण संबंधों को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक उपकरण और रणनीतियां प्रदान करना है। डीन (छात्र कल्याण) डॉ. एस. चौधरी ने कहा कि यह कार्यशाला एनईपी 2020 के पांच मार्गदर्शक स्तंभों- पहुंच, समानता, गुणवत्ता, सामर्थ्य और जवाबदेही को ध्यान में रखते हुए डिजाइन की गई है। अतिथि वक्ता संजय कुमार सिंह, लीड कंसल्टेंट और डायमेंशन एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली के संस्थापक निदेशक ने कहा कि गहन बातचीत में शामिल होकर - ऐसी बातचीत जो सीमाओं को आगे बढ़ाती है, जिज्ञासा जगाती है और समझ को बढ़ावा देती है - हम अधिक प्रभावशीलता के लिए अपनी जन्मजात क्षमता का लाभ उठा सकते हैं। ये बातचीत न केवल हमारे भीतर बल्कि हमारे रिश्तों, कार्यस्थलों और समुदायों में भी परिवर्तनकारी परिवर्तन को खोलने की कुंजी रखती है। मानव होना जो है वह किसी भी तरह से आविष्कार के लिए खुला है।

प्रतिभागियों में देश भर के शिक्षाविद् शामिल थे। रजिस्ट्रार प्रो. (डॉ.) जे.बी. पटनायक और डीन (अकादमिक) प्रो. अरविंद कुमार ने कहा कि ऐसी कार्यशालाएं समय की मांग हैं और उन्होंने कार्यशाला के अतिथियों, वक्ताओं और प्रतिभागियों को अपनी शुभकामनाएं दीं।